Chap 01: व्यष्टि अर्थशास्त्र का परिचय

अर्थशास्त्र (Economics) अर्थ

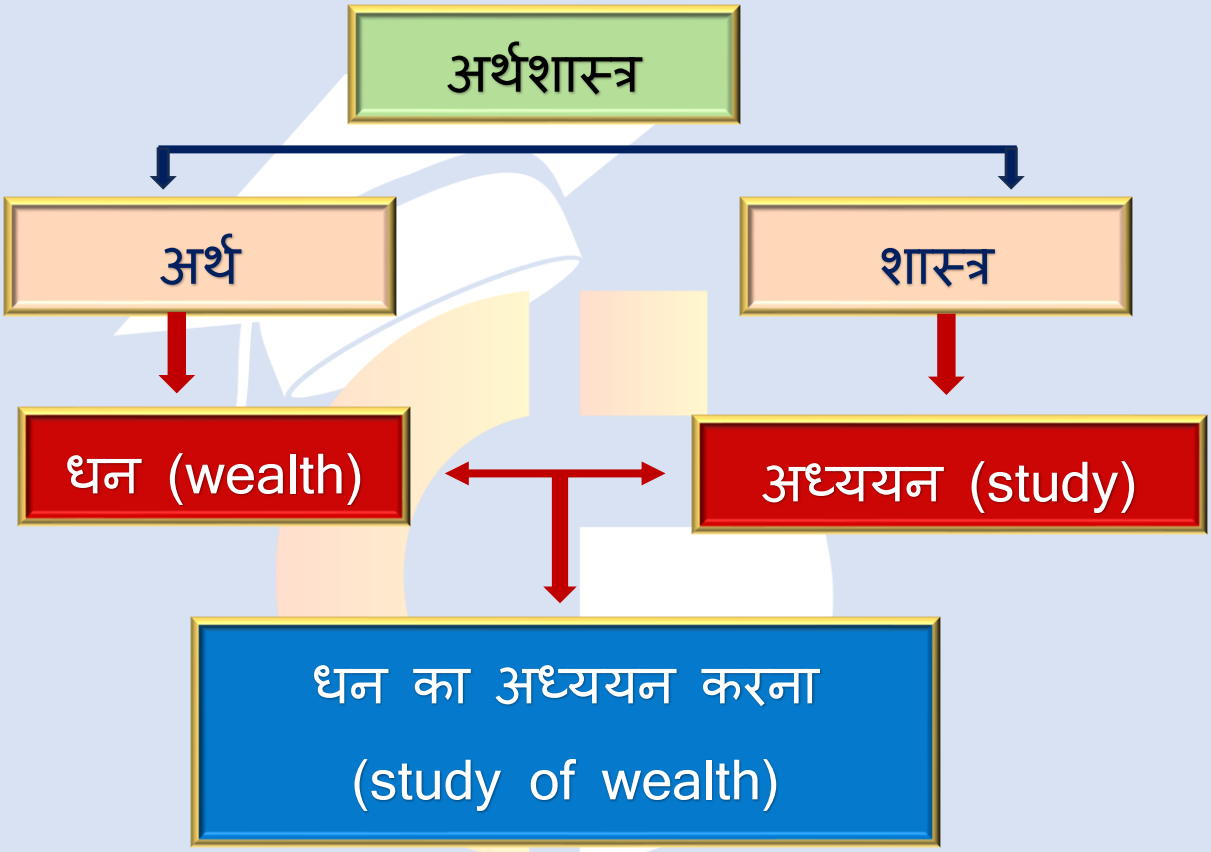

प्रो. एडम स्मिथ के अनुसार, ***"धन के विज्ञान को अर्थशास्त्र कहते है"।***

एडम स्मिथ की पुस्तक '***Wealth of Nation***' (1776) के अनुसार।

(नोट: एडम स्मिथ को अर्थशास्त्र का पिता कहा जाता है।)

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

www.theeconomicsguru.com

विस्तृत अर्थ में,

सीमित साधनों की सहायता से असीमित आवश्यकता को पूर्ति करने से संबधित समस्त आर्थिक क्रियाओं के अध्ययन करने वाले शास्त्र को अर्थशास्त्र कहा जाता है।

मार्शल के अनुसार,

"अर्थशास्त्र जीवन के साधारण व्यवस्था में मनुष्य मात्र का अध्ययन करता है। वह व्यक्तिगत तथा सामाजिक कार्य के उस भाग की परीक्षा करता है जो कल्याण के भौतिक साधनों की प्राप्ति तथा उपयोग से घनिष्ठ रूप से संबंधित है" ।

रॉबिन्स ने अपनी परिभाषा में बताया कि,

"अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जो लक्ष्यों और वैकल्पिक प्रयोगों वाले सीमित साधनों के मध्य पारस्परिक संबंध के रूप में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है"।

नोबेल पुरस्कार विजेता **प्रो. सैमुअलसन** के अनुसार, "अर्थशास्त्र इस बात का अध्ययन करता है कि व्यक्ति और समाज मुद्रा, की सहायता से अथवा मुद्रा की सहायता के बिना किसी प्रकार अनेक प्रयोग में आ सकने वाले उत्पादन के सीमित संसाधनों का चुनाव एक समय अवधि में विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में और इनको समाज के विभिन्न व्यक्तियों और समूहों में उपभोग हेतु वर्तमान या भविष्य में बांटने के लिए करते हैं"।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि,

अर्थशास्त्र वह शस्त्र है जिससे मनुष्य की आवश्यकताओं की अधिकतम संतुष्टि करने या कल्याण बढ़ाने तथा आर्थिक विकास के लिए अनेक उपयोग वाले सीमित साधनों के कुशलता, उपभोग, उत्पादन और विनिमय से संबंधित कार्यों का अध्ययन किया जाता है।

आर्थिक क्रियाएं (Economic Activities):

सीमित साधनों द्वारा असीमित आवश्यकताओं को पूरा करने से संबंधित सभी क्रियाओं को आर्थिक क्रियाएं कहते है।

आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार,

"उस क्रिया को आर्थिक क्रिया कहते है जिसका संबंध मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए सीमित साधनों के उपयोग से होता है" ।

वास्तविक अर्थशास्त्र एवं आदर्श अर्थशास्त्र

वास्तविक अर्थशास्त्र (Positive Economics)

वास्तविक अर्थशास्त्र समस्याओं को वे जैसी है के रूप में अध्ययन करता है अर्थात,

समस्या क्यों है? कैसे है? कितना है? का अध्ययन करता है।

इस प्रकार वास्तविक अर्थशास्त्र केवल कारण एवं परिणाम का विश्लेषण करता है।

आदर्श अर्थशास्त्र (Normative Economics)

आदर्श विज्ञान मानव व्यवहार के लिए आदर्श प्रस्तुत करता है। ऐसे आदर्शों की ओर संकेत करता है जिन्हें प्राप्त करने के लिए हमें सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए।

यह बताता है की यह समस्याएं कैसी होनी चाहिए?

वास्तविक एवं आदर्श अर्थशास्त्र में अंतर।

वास्तविक अर्थशास्त्र	आदर्श अर्थशास्त्र
अर्थशास्त्र की वह शाखा जो क्या है से संबंधित है।	अर्थशास्त्र की वह शाखा जो क्या होना चाहिए इससे संबंधित हैं।
यह तथ्यों पर आधारित है एवं सुझाव देने वाला नहीं है।	यह सुझाव देने वाला है।
इसकी वास्तविक आंकड़ों से जांच की जा सकती है।	इसके विवरणों की जांच नहीं की जा सकती।
इसका उद्देश्य आर्थिक गतिविधि की वास्तविक व्याख्या करना है।	इसका उद्देश्य आदर्श निर्धारित करना है।
यह मूल्य निर्णय नहीं देता।	यह मूल्य निर्णय देता है।
उदाहरण: भारतीय अर्थव्यवस्था में आए वितरण की असमानताएं हैं।	उदाहरण: भारतीय अर्थव्यवस्था में असमानताएं कम की जानी चाहिए।

अर्थशास्त्र की शाखाएं (Branches of Economics)

आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन व्यक्तिगत स्तर अथवा सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर किया जा सकता है।

नार्वे के अर्थशास्त्री ***रैगनर फ्रिश*** ने अर्थशास्त्र को दो शाखाओं में बांटा है:

1. **व्यष्टि अर्थशास्त्र (Microeconomics)**
2. **समष्टि अर्थशास्त्र (Macroeconomics)**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यष्टि अर्थशास्त्र (Microeconomics)

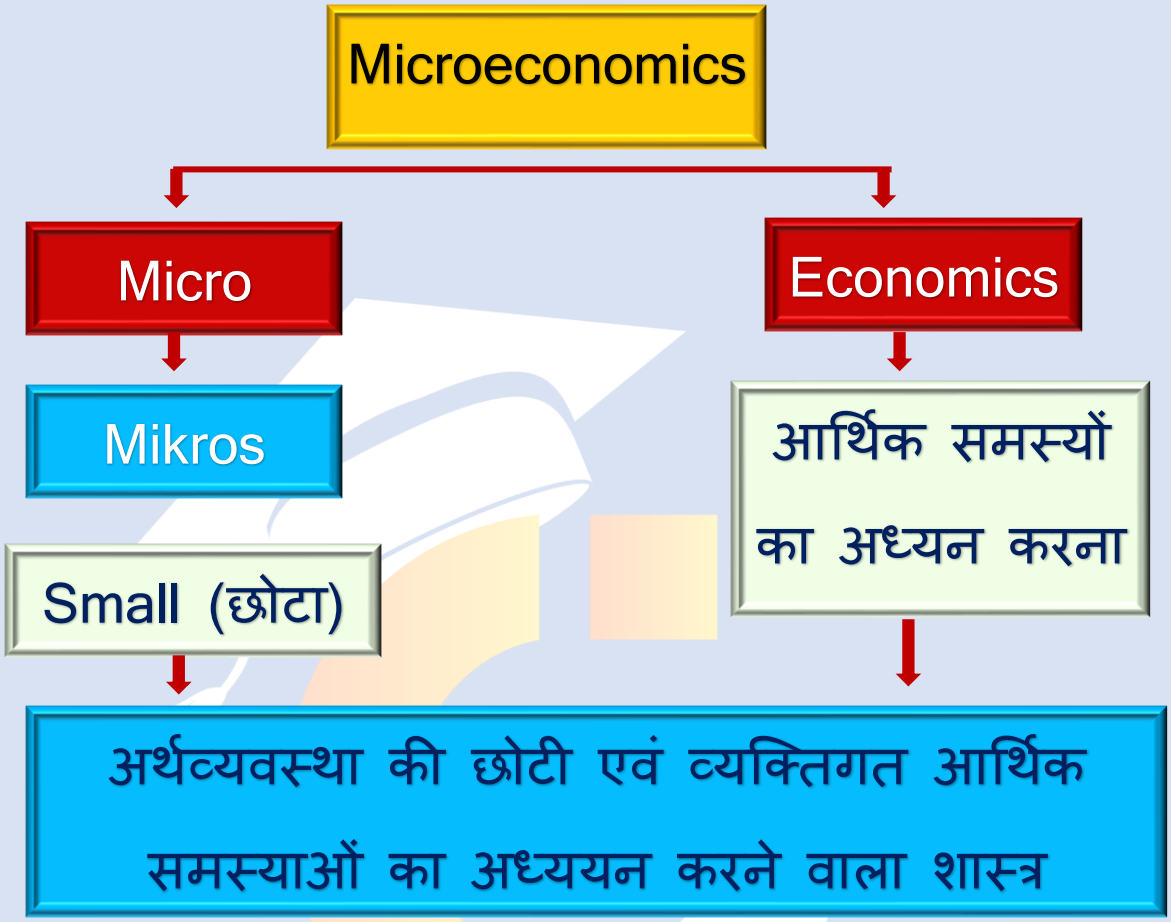

व्यष्टि अर्थशास्त्र अर्थव्यवस्था की व्यक्तिगत और सूक्ष्म इकाइयों का अध्ययन करती है

जैसे: एक उपभोक्ता, एक उत्पादक, एक फर्म आदि।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

बोल्डिंग के अनुसार, "व्यष्टि अर्थशास्त्र आर्थिक विश्लेषण की वह शाखा है जो विशिष्ट आर्थिक इकाइयों तथा अर्थव्यवस्था के सूक्ष्म भागों, उनके व्यवहार तथा उनके पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करती है"।

व्यष्टि अर्थशास्त्र की विशेषताएँ (Features of Microeconomics)

1. व्यक्तिगत आर्थिक इकाइयों का अध्ययन।
2. इस अति सूक्ष्म चरों का अध्ययन।
3. व्यक्तिगत कीमत निर्धारण का अध्ययन।

व्यष्टि सूक्ष्म अर्थशास्त्र के क्षेत्र (Scope of Microeconomics)

मांग के सिद्धांत (Theories of Demand):

इसके अंतर्गत हम मांग फलन, मांग की लोच, उपभोक्ता संतुलन आदि का अध्ययन करते हैं।

उत्पादन का सिद्धांत (Theories of Production):

इसके अंतर्गत उत्पादन, फूलन, संतुलन, लाभ व आगम का विश्लेषण किया जाता है।

कीमत निर्धारण सिद्धांत (Theories of Price Determination):

इसके अंतर्गत हम यहाँ अध्ययन करते हैं कि वस्तुओं जैसे चावल, चाय, दूध, घी, पंखे और हजारों अन्य वस्तुओं की सापेक्ष कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती है।

साधन कीमत निर्धारण सिद्धांत (Theories of Factor Pricing) इसके अंतर्गत यह अध्ययन किया जाता है कि लगान मजदूरी, ब्याज लाभ का निर्धारण किस प्रकार से होता है। जो कि। विभिन्न साधनों से प्राप्त होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यष्टि अर्थशास्त्र का महत्त्व या प्रयोग

1. संपूर्ण अर्थव्यवस्था के ज्ञान के लिए आवश्यक
2. आर्थिक समस्याओं के निर्णय में सहायक
3. आर्थिक नीति के निर्धारण में सहायक

4. व्यवहारिक अर्थशास्त्र के ज्ञान में सहायक
5. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली के ज्ञान में सहायक
6. राजस्व में उपयोग
7. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सहयोग
8. प्रबंध संबंधी निर्णयों में सहायक

व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण की सीमाएं

1. यह अर्थव्यवस्था का अधूरा चित्र प्रस्तुत करता है
2. यह वास्तविक मान्यताओं पर आधारित है
3. कुछ विशेष प्रकार की समस्याओं के लिए अनुपयुक्त है
4. यह मुक्त व्यापार के विचार पर आधारित है
5. निष्कर्ष संपूर्ण अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सही नहीं होते है

आर्थिक समस्या (Economic Problems) क्या है?

किसी अर्थव्यवस्था में ***मानवीय आवश्यकता असीमित*** होती है और उन्हें संतुष्ट करने के लिए मानव के ***साधन सीमित*** होते हैं।

सीमित साधनों से असीमित आवश्यकताओं की संतुष्टि एक समस्या है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस प्रकार,

सीमित साधनों से असीमित आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दिए गए विभिन्न विकल्पों में से **सर्वश्रेष्ठ विकल्प** का चुनाव करना पड़ता है, जिससे चुनाव की समस्या कहते हैं। अर्थव्यवस्था में ***चुनाव की इसी समस्या*** को ***आर्थिक समस्या*** कहा जाता है।

प्रो. इरिक रोल के अनुसार, "आर्थिक समस्या मूलत: चयन की आवश्यकता में से उत्पन्न होने वाली समस्या है। यह वह चयन है जिसमें वैकल्पिक उपयोग वाले सीमित संसाधनों का प्रयोग किया जाता है। यह संसाधनों के मितव्ययी उपयोग की समस्या है"।

प्रो. लेफ्ट विच के अनुसार, "आर्थिक समस्या का संबंध वैकल्पिक मानवीय आवश्यकताओं में सीमित साधनों का प्रयोग करने और इन साधनों का इस दृष्टि से उपयोग करने से है कि आवश्यकताओं की अधिकतम संभव संतुष्टि हो सके"।

आर्थिक समस्या क्यों उत्पन्न होती है?

अथवा

आर्थिक समस्या के उत्पन्न होने के कारण (Causes of an Economic Problems)

1. असीमित आवश्यकताएँ
2. आवश्यकताओं की तीव्रता में अंतर
3. सीमित या दुर्लभ साधन
4. साधनों का वैकल्पिक प्रयोग
5. चयन या चुनाव की समस्या

THE ECONOMICS GURU

अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएं (Central Problems of Economy)

प्रो. सैमुअलसन के अनुसार प्रत्येक अर्थव्यवस्था में साधनों के आवंटन की तीन प्रमुख मौलिक समस्याएं होती है:-

1. उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में किया जाए?
2. उत्पादन कैसे किया जाए?

3. उत्पादन किस के लिए किया जाए?

क्या उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में किया जाए?

(What to Produce & How much to Produce?)

इस अर्थव्यवस्था की पहली केंद्रीय समस्या का संबंध चयन की समस्या से है।

प्रत्येक अर्थव्यवस्था की सबसे पहले समस्या यह है कि कौन सी वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाए जिससे व्यक्तियों की अधिकतम आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके?

वस्तुओं का उत्पादन कितनी मात्रा में की जाये ?

उत्पादन कैसे किया जाए? (How to Produce?)

अर्थव्यवस्था के सामने दूसरी समस्या यह है कि चयनित वस्तुओं का उत्पादन कैसे किया जाए?

वास्तव में यह तकनीक के चुनाव की समस्या है। उत्पादन की तकनीक दो प्रकार की होती है

उत्पादन की तकनीक दो प्रकार की होती है-

- श्रम प्रधान तकनीक (Labour Intensive Technique)
- पूंजी प्रधान तकनीक(Capital Intensive Technique)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्पादन किसके लिए किया जाए? (For Whom to Produce?)

अर्थव्यवस्था में क्या कितना और कैसे जैसी समस्याओं के समाधान के बाद यह समस्या उत्पन्न होती है कि उत्पादन किस के लिए किया जाए?

वास्तव में, यह **उत्पादन के वितरण से संबंधित समस्या** है।

केंद्र के सामने यह समस्या रहती है कि किए गए उत्पादों को अर्थव्यवस्था में समान रूप से कैसे वितरण किया जाए?

वितरण की समस्या के दो प्रमुख पहलू है-

- व्यक्तिगत वितरण
- कार्यात्मक वितरण

अतिरिक्त केंद्रीय समस्याएँ- केंद्रीय समस्याओं की आधुनिक विचारधारा

साधन आवंटन की तीन मौलिक समस्याओं के अतिरिक्त अर्थशास्त्रियों ***स्ट्रगलर एवं लिफ्टविच*** ने अर्थव्यवस्था के दो अतिरिक्त केंद्रीय समस्याओं के बारे में बताया है:

साधनों का कुशलतम उपयोग कैसे हो?

प्रत्येक अर्थव्यवस्था में साधन सीमित होते हैं। अतः प्रत्येक अर्थव्यवस्था के सामने एक समस्या यह होती है कि इन सीमित साधनों का पूरा पूरा उपयोग कैसे किया जाए।

इस समस्या के दो प्रमुख पहलू है।

- उत्पादन के सभी साधनों जैसे भूमि, श्रम, पूंजी आदि को पूर्ण रोजगार प्रदान करना।
- अर्थव्यवस्था के सीमित साधनों का पूर्ण अथवा कुशलता उपयोग करना।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

आर्थिक विकास कैसे हो?

प्रत्येक अर्थव्यवस्था अपने उत्पादन स्तर में वृद्धि करके आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना चाहती है।

देश की उत्पादन क्षमता को बढ़ाना अर्थव्यवस्था की एक प्रमुख समस्या है। इसके अलावा सीमित संसाधनों के लगातार प्रयोग से साधन और भी सीमित होते चले जाते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि साधनों का भी लगातार उत्पादन और विकास किया जाए तथा वैकल्पिक साधनों की भी खोज की जाए ताकि अर्थव्यवस्था में उत्पादन स्तर को बढ़ाकर आर्थिक विकास किया जा सके।

आर्थिक प्रणालियां (Economic System)

ऐसी प्रणाली या विधियाँ जिसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था की सभी आर्थिक क्रियाएं संपन्न की जाती है, आर्थिक प्रणालियाँ कहते है।

आर्थिक प्रणालियों के प्रकार
(Types of Economics System)

1. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy)
2. समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy)
3. मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy)

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy):

वह अर्थव्यवस्था जिसमें उत्पादन के साधनों का स्वामित्व, नियंत्रण एवं संचालन निजी क्षेत्र के हाथों में होता है। इसे ***बाजार अर्थव्यवस्था (Market Economy)*** भी कहते हैं।

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन मुख्यत: **लाभार्जन** के लिए होता है तथा उत्पादन और उपभोग के क्षेत्र में स्वतंत्रता होती है। इस अर्थव्यवस्था में ***आर्थिक समस्याओं का समाधान कीमत यंत्र द्वारा*** किया जाता है

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

बाजार अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ:

- उत्पादन के साधनों का निजी स्वामित्व
- स्वतंत्र निर्णय लेना
- प्रतियोगिता का स्तर पाया जाना

- लाभ कमाने का उद्देश्य होना
- सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं
- समस्त निर्णय कीमत तंत्र द्वारा निर्देशित

समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy)

वह अर्थव्यवस्था जिसमें **उत्पादन के साधनों पर समाज या सरकार का नियंत्रण होता है तथा आर्थिक क्रिया का संचालन समाज के हित के लिए** किया जाता है।

इस बाजार को *केंद्रीय रूप से नियोजित अर्थव्यवस्था* भी कहा जाता है।

इसमें आर्थिक स्वतंत्रता नहीं पायी जाती।

इस अर्थव्यवस्था में केंद्रीय समस्याओं का समाधान सामाजिक प्राथमिकताओ के आधार पर आर्थिक नियोजन या योजना तंत्र के दौरा किया जाता है।

केंद्रीय रूप से नियोजित अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ:

- उत्पादन के साधनों का स्वामित्व सरकार के पास
- सरकार द्वारा आर्थिक निर्णय लेना
- प्रतियोगिता का शून्य स्तर
- जन कल्याण प्रमुख उद्देश्य
- समस्त निर्णय नियोजन तंत्र द्वारा निर्देशित

मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy)

एक ऐसी प्रणाली जिसमें निजी व सार्वजनिक उद्यम दोनों एक साथ पाए जाते हैं और दोनों ही किसी सामान्य आर्थिक योजना के अधीन कार्य करते हैं।

मिश्रित अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ

- उत्पादन के साधनों पर निजी एवं सार्वजनिक स्वामित्व।
- समस्त आर्थिक निर्णय समाज के हित की ध्यान में रखकर बाजार द्वारा किये जाते हैं।
- कीमत का निर्णय आर्थिक कल्याण के साथ साथ निजी लाभ को ध्यान में रखकर
- इस बाजार में प्रतियोगिता पाई जाती है

उत्पादन संभावना वक्र (Production Possibility Curve - PPC)

सैमुअलसन के अनुसार,

"उत्पादन संभावना वह वक्र है जो दो वस्तुओं या सेवाओं के उन सभी संयोगों को प्रकट करता है जिनका अधिकतम उत्पादन एक अर्थव्यवस्था के दिए हुए साधनों तथा तकनीक के द्वारा साधनों के पूर्ण रोजगार की स्थिति में संभव होता है"।

उत्पादन संभावना वक्र उन दो या दो से अधिक वस्तुओं के विभिन्न संयोगों को प्रदर्शित करने वाली रेखा है जिन्हें एक उत्पाद, स्थान या अर्थव्यवस्था दिए हुए संसाधनों और तकनीकी ज्ञान के द्वारा एक समय विशेष पर उत्पादित किया जा सकता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थव्यवस्था में एक वस्तु के उत्पादन की मात्रा को बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु की मात्रा को कम करना पड़ता है।

यही कारण है कि *उत्पादन संभावना वक्र का झुकाव ऊपर से नीचे दाहिनी ओर होता है।*

उदाहरण

उत्पादन विकल्प सारणी

विकल्प	गेहूं (उपभोक्ता वस्तु) लाख टन	मशीन (पूंजीगत वस्तु) हजार इकाई
A	0	50
B	1	45
C	2	35
D	3	20
E	4	0

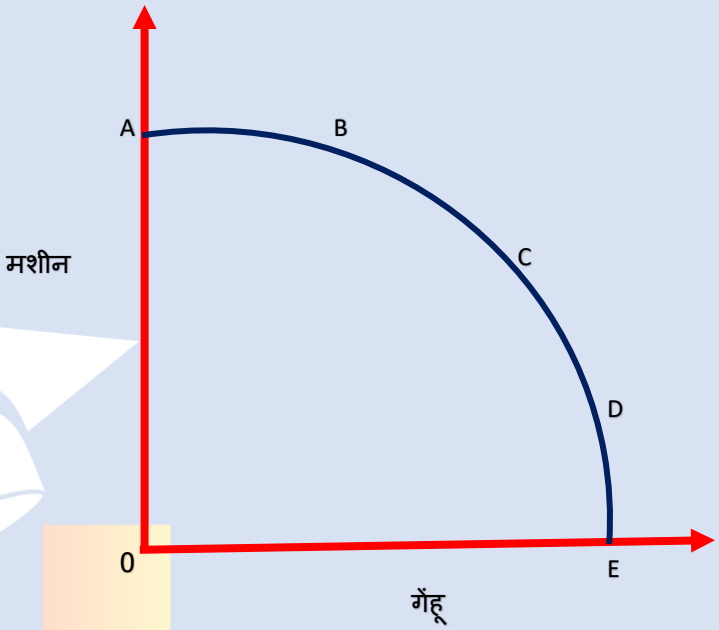

उत्पादन संभावना व्यक्त की मान्यतायें

- उत्पादन के साधनों की मात्रा स्थिर होनी चाहिए।
- उपलब्ध साधनों का पूर्ण एवं कुशल उपयोग होना चाहिए।
- उत्पादन की तकनीक में कोई परिवर्तन नहीं होने चाहिए।
- केवल दो वस्तुओं के उत्पादन होना चाहिए।

उत्पादन समान वक्र की विशेषतायें

- उत्पादन संभावना वक्र भाय से दाएं नीचे की ओर गिरता है।
- उत्पादन संभावना वक्त मूल बिंदु की ओर न तो दर होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

www.theeconomicsguru.com